International Journal of Academic Research and Development
ISSN: 2455-4197
Impact Factor: RJIF 5.22
www.academicsjournal.com
Volume 2; Issue 5; September 2017; Page No. 1066-1070

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध : एक अध्ययन

[1] दीपा पुनेठा, [2] कविता मित्तल, [3] डॉ० सपना शर्मा

[1] शोधछात्रा (शिक्षा), वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, भारत।

[2] प्रोफेसर, शिक्षा संकाय वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, भारत।

[3] एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा संकाय वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, भारत।

सारांश

शिक्षा मानव जगत की धरोहर है जिससे समाज के विकास की सही दिशा व दशा निर्धारित की जाती है। शिक्षा मनुष्य में आत्मविश्वास उत्पन्न करने वाला एक प्रमुख कारक है। आत्मविश्वास व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पहलू है। आत्मविश्वास व्यक्ति के उस व्यवहार से सम्बन्धित है जिससे वह किसी अन्य व्यक्ति की उपस्थिति या बाहरी वातावरण के बिना स्वयं को सकारात्मक रूप से निर्देशित कर सके। वर्तमान समय में विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की कमी देखने का मिल रही है। आज का विद्यार्थी सफलता तो प्राप्त करना चाहता है पर इस सफलता की प्राप्ति के लिए वह आशंकित रहता है, जिसका कारण उसमें आत्मविश्वास की कमी है। अभिप्रेरणा तथा उचित शैक्षिक, सामाजिक वातावरण द्वारा विद्यार्थियों के आत्म विश्वास में वृद्धि की जा सकती है। विद्यार्थियों का आत्म विश्वास उनके विद्यालय में उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने में सहायक होता है, साथ ही आत्मविश्वास द्वारा विद्यार्थियों की असफलता और निम्न शैक्षिक उपलब्धि की समस्या को सुलझाया जा सकता है।

मूल शब्द: आत्मविश्वास, शैक्षिक उपलब्धि, उच्च माध्यमिक स्तर।

प्रस्तावना

शिक्षा अन्धकार से प्रकाश की ओर मानव यात्रा का नाम है। शिक्षा द्वारा मनुष्य के अन्तः चक्षु खुलते हैं, उसे आन्तरिक व अलौकिक प्रकाश मिलता है। 'नास्ति विद्या समं चक्षु' अर्थात् विद्या के समान कोई नेत्र नहीं है। जिस प्रकार भौतिक वस्तुओं को देखने के लिए आखों की आवश्यकता होती है उसी प्रकार सभी दृश्य तथा अदृश्य वस्तुओं और घटनाओं को समझने में ज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा बालक की शक्तियों का प्रकटीकरण करती है। शिक्षा मनुष्य में आत्मविश्वास का संचार करती है। ऐसा मनुष्य जीवन के हर क्षेत्र में सुनियोजित ढंग से परिश्रम करके लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है।

किसी व्यक्ति का स्वयं के बारे में या जीवन के किसी एक पक्ष पर काफी अधिक आत्मविश्वास हो सकता है तथा किसी अन्य पक्ष में, किन्हीं अन्य परिस्थितियों में स्वयं के ऊपर आत्मविश्वास कम हो सकता है। यदि व्यक्ति के अन्दर किसी क्षेत्र विशेष में अभिरूचि, योग्यता, अभिव्यक्ति क्षमता, कार्यक्षमता, सामाजिक कुशलता आदि गुणों की अधिकता है तो उसका सम्बन्धित क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण परिलक्षित होता है तथा उस क्षेत्र में आत्मविश्वास भी अधिक होता है। जबकि अन्यत्र क्षेत्र में उसमें इन सब गुणों की कमी होती है तथा वहां उसका आत्मविश्वास भी कम होता है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि आत्मविश्वास व्यक्ति के सकारात्मक व नकारात्मक आत्ममूल्यांकन का योग है।

बसवाना (1975) के अनुसार : ''आत्मविश्वास से तात्पर्य व्यक्ति की किसी परिस्थिति विशेष में बाधाओं का सामना करने तथा सब कुछ ठीक करने की योग्यता से है।''[1]

स्ट्रॉमैनन एवं हिस्सिंग्स (1988) के अनुसार : ''आत्मविश्वास एक सकारात्मक व्यक्तित्व की चाह है जो हमें अनिश्चित परिस्थितियों में भी प्रभावपूर्ण तरीके से समायोजन करने की क्षमता देता है''[2]। '

ब्राउन मैक्गिल (1989) के अनुसार : ''जिस व्यक्ति में आत्मविश्वास अधिक होता है वह व्यक्ति मानसिक दबाव का बेहतर ढंग से सामना कर सकता है तथा ऐसे व्यक्तियों का लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी पूर्ण विश्वास रहता है।''[3]

अग्निहोत्री (1987) के अनुसार : ''एक आत्मविश्वासी व्यक्ति स्वयं को सामाजिक रूप से सक्षम, भावनात्मक रूप से परिपक्व, बौद्धिक रूप से पर्याप्त, प्रतिस्पर्धात्मक रूप से सफल, संतुष्ट, निर्णायक, आशावादी, आत्मनिर्भर, अवलम्बित, आश्वासित आगे बढ़ने वाला तथा दृढ़ निश्चयी मानता है तथा ऐसे व्यक्ति में नेतृत्व की क्षमता भी अधिक होती है''[4]

अध्ययन का औचित्य

प्रायः यह देखा जाता है कि प्रत्येक क्षेत्र में सफल होने के लिए युवाओं में आत्मविश्वास का गुण होना चाहिए। चाहे खेल हो, शिक्षा हो या अर्न्तवैयक्तिक सम्बन्ध हों। निम्न आत्मविश्वास अपर्याप्त सामाजिक कौशल से सम्बन्धित है। जिन व्यक्तियों का आत्म विश्वास कम होता है उनका सामाजिक विकास उचित प्रकार नहीं हो पाता है तथा असफलता का सामना करना पड़ता है। आत्मविश्वास को विद्यार्थियों के अधिगम व उपलब्धियों को प्रभावित करने वाले एक मुख्य घटक के रूप में देखा जा सकता है। अकारण चिंता, अत्यधिक भारी तनाव, असुरक्षा की भावना जैसी नकारात्मक प्रवृतियों के कारण विद्यार्थी अपने अध्ययन पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं तथा कक्षा कक्ष में स्थाई ज्ञान प्राप्त नहीं कर पाते हैं जिससे उनका अधिगम प्रभावित होता है, अतः उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का अध्ययन करना आवश्यक प्रतीत होता है।

उच्च माध्यमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षा बोर्ड केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सी.बी.एस.ई. तथा प्रादेशिक बोर्ड विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देते हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में भिन्नता पाई जाती है अतः दोनों बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों की कार्यपद्धति, शैक्षिक व्यवस्था, मूल्य, अधिगम अनुभव द्वारा विद्यार्थियों का आत्मविश्वास तथा शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित होंगे या नहीं यह भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। आत्मविश्वास शैक्षिक उपलब्धि की आधार शिला है, विभिन्न बोर्ड परीक्षाओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से जब उनकी सफलता के सम्बन्ध में साक्षात्कार लिया जाता है तो आत्मविश्वास ही प्रमुख कारक के रूप में दृष्टिगोचर होता है। आत्मविश्वास विद्यार्थियों की सफलता का मूल मंत्र ही नहीं बल्कि उनके व्यक्तित्व का दर्पण भी है । यही वह शक्ति है जो व्यक्ति को सफलता की सीढ़ी दर सीढ़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। आत्मविश्वास, विषय सम्बन्धी अधिगम व सहगामी क्रियाओं में विद्यार्थियों की सहभागिता को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक होने के साथ–साथ शैक्षिक उपलब्धि को सबसे अधिक प्रभावित करने वाला कारक है तथा आत्मविश्वास शैक्षिक उपलब्धि अर्जित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जिस प्रकार आत्मविश्वास शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाने वाला प्रमुख कारक माना जाता है उसी प्रकार शैक्षिक उपलब्धि भी आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। तथा संवेगात्मक बुद्धि शैक्षिक उपलब्धि तथा आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि विद्यार्थी परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करते हैं तो उनके आत्मविश्वास स्तर में भी वृद्धि होती है तथा वह इच्छित सफलता प्राप्त करने हेतु अधिक उत्साह से प्रयत्न करते हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि शैक्षिक उपलब्धि, आत्मविश्वास तथा संवेगात्मक बुद्धि में घनिष्ठ सम्बन्ध है। अतः माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में इन दोनों चरों की सार्थक भूमिका होनी चाहिए। प्रस्तुत अध्ययन में इसी सम्बन्ध को खोजने का प्रयास किया गया है

समस्या कथनः– उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध एक अध्ययन।

शोध के उद्देश्यः– उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं उनकी शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध का लिंग संकाय विद्यालयी बोर्ड के सन्दर्भ में अध्ययन करना।

शोध परिकल्पनाऐंः–

- **परिकल्पना** 1 – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है ।
- **परिकल्पना 2** – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।
- **परिकल्पना 3** – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।
- **परिकल्पना 4 अ** – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् कला संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।
- **परिकल्पना 4 ब** – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।
- **परिकल्पना 4 स** – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।
- **परिकल्पना 5** – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् बी.एस.ई. यू.बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।
- **परिकल्पना 6** – उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् सी.बी.एस. ई. बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।

अध्ययन में प्रयुक्त तकनीकी शब्द

आत्मविश्वास : "अपनी योग्यता पर विश्वास होना ही आत्म विश्वास है (Self Confidence means "Faith in one's own ability.")[1] अपने ज्ञान और योग्यता के बारे में जानना तथा कोई भी कार्य कर सकने की प्रवृत्ति का होना आत्मविश्वास है। व्यक्ति की दूसरों पर निर्भर न रहते हुए परिस्थितियों का सफलतापूर्वक सामना करने एवं सकारात्मक आत्ममूल्यांकन करने की प्रत्यक्षीकृत योग्यता ही आत्मविश्वास है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में आत्मविश्वास को इसी अर्थ में लिया गया है

शैक्षिक उपलब्धि : ("शैक्षिक उपलब्धि का तात्पर्य विद्यालयी विषयों में अर्जित ज्ञान या विकसित कौशल का शिक्षक द्वारा परीक्षा प्राप्ताकों या अंको द्वारा निर्दिष्ट करने से है)। (Academic Achievement means attained skills or Knowledge developed in the school subject, usually designated by test scores or by marks assigned by teachers or by both.")[2] विद्यार्थियों ने किस सीमा तक अपनी योग्यताओं का विकास किया है उसका आंकिक रूप से प्रस्तुतीकरण ही उनकी उपलब्धि का सूचक है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि से तात्पर्य विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 11 की 'बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेश्न उत्तराखण्ड' (बी.ओ.एस.ई.यू.) तथा 'सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकन्ड्रि एजुकेश्न' (सी.बी.एस.ई.) द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं (मासिक, अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक) में अर्जित प्राप्ताकों से है।

उच्च माध्यमिक स्तर :– उच्च माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 11 व 12 में अध्ययनरत् विद्यार्थियों से है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में उच्च माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 12 में नियमित अध्ययन के रूप में नामांकित विद्यार्थियों से है।

लिंगः– लिंग से तात्पर्य उच्च माध्यमिक स्तर अध्ययनरत् छात्र तथा छात्राओं से है।

संकाय :– संकाय से तात्पर्य उच्च माध्यमिक स्तर पर कला, विज्ञान तथा वाणिज्य विषय वर्ग से है।

विद्यालयी बोर्ड :–विद्यालयी बोर्ड से तात्पर्य 'बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेश्न उत्तराखण्ड' (बी.एस.ई.यू.) तथा 'सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकन्ड्रि एजुकेश्न' (सी.बी.एस.ई.) से है।

शोध विधिः– समस्या की प्रकृति के आधार पर शोध हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

5 गुड सी.वी. 'डिक्शन्रि ऑफ एजुकेश्न
7 गुड सी.वी. 'डिक्शन्रि ऑफ एजुकेश्न

अध्ययन के स्रोतः–उत्तराखण्ड राज्य के सी.बी.एस.ई. तथा बी.एस.ई.

यू. द्वारा संचालित विद्यालयों में नियमित रूप से कक्षा 12 में अध्ययनरत् विद्यार्थी।

जनसंख्याः– प्रस्तुत शोध अध्ययन में उत्तराखण्ड राज्य के गढ़वाल मण्डल में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में सम्मिलित किया गया है।

न्यादर्शः– शोधकर्त्री द्वारा गढ़वाल मण्डल के सात जिलों में से चार जिलों का चयन सोद्देश्य न्यादर्शन विधि द्वारा किया गया है। चयनित प्रत्येक जिले में से से चार उच्च माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया है। जिसमें से दो विद्यालय सी.बी.एस.ई. तथा दो विद्यालय बी.ओ.एस.ई.यू. बोर्ड से सम्बद्ध है। प्रत्येक विद्यालय से संकायवार (कला, विज्ञान, वाणिज्य) 20–20 विद्यार्थी लिये गये हैं। इस प्रकार चार जिलों से चयनित 16 विद्यालयों से 960 विद्यार्थी यादृच्छिक रूप से चयनित किये गये हैं।

प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरणः– प्रस्तुत शोध अध्ययन में आत्मविश्वास मापन के लिए डॉ0 रेखा अग्निहोत्री द्वारा निर्मित मानकीकृत सेल्फ कॉन्फिडन्स इन्वेन्टरी का प्रयोग किया गया है। शैक्षिक उपलब्धि के रूप में कक्षा 11 के विद्यार्थियों के वार्षिक उपलब्धि अंक विद्यालय से प्राप्त किये गये ।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध का प्रस्तुतीकरण विश्लेषण, एवं व्याख्या।

तालिका 1: आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध

Variables	N	r-value	Correlation	r-table value		Significance level
आत्मविश्वास	960	0.287	धनात्मक	0.01	0.081	0-01
शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.062	

तालिका 1 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.287 प्राप्त हुआ है। दोनों चरों के मध्य सहसम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है। प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 1–'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।' अस्वीकृत होती है । अर्थात् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

तालिका 2 : लिंग वार विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध

Gender	Variables	N	r-value	Correlation	r-table value		Significance level
छात्र	आत्मविश्वास	497	0.267	धनात्मक	0.01	0.115	0.01
	शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.088	
छात्रायें	आत्मविश्वास	463	0.315	धनात्मक	0.01	0.115	0.01
	शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.088	

तालिका 2 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.267 प्राप्त हुआ है। दोनों चरों के मध्य सहसम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है । प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 2 – 'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्रों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।' अस्वीकृत होती है अर्थात् छात्रों की आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

तालिका 2 से ज्ञात होता है कि छात्राओं के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.315 प्राप्त हुआ है । दोनों चरों के मध्य सहसम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है । अर्थात् छात्राओं के आत्मविश्वास बढ़ने पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि बढ़ती है व आत्मविश्वास के घटने पर उनकी शैक्षिक उपलब्धि घटती है।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 3 –'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्राओं के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।' अस्वीकृत होती है अर्थात् छात्राओं के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।

तालिका 3 : संकाय वार विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सहसंबंध

Stream	Variables	N	r-value	Correlation	r-table value		Significance level
कला	आत्मविश्वास	320	0.242	धनात्मक	0.01	0.128	0.01
	शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.098	
विज्ञान	आत्मविश्वास	320	0.241	धनात्मक	0.01	0.128	0.01
	शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.098	
वाणिज्य	आत्मविश्वास	320	0.363	धनात्मक	0.01	0.128	0.01
	शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.098	

तालिका 3 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् कला संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.242 प्राप्त हुआ है। दोनों चरों के मध्य सहसम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि

सांवेगिक बुद्धि व आत्मविश्वास के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है ।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 4 अ– 'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् कला संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।' अस्वीकृत होती है। अर्थात् कला संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

तालिका **3** से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.241 प्राप्त हुआ है । दोनों चरों के मध्य सम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है ।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 4 ब– 'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है'। अस्वीकृत होती है अर्थात् विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

तालिका 3 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.363 प्राप्त हुआ है । दोनों चरों के मध्य सम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 4 स–'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सम्बन्ध नहीं पाया जाता है।'अस्वीकृत होती है अर्थात् वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

तालिका 4 : विद्यालयी बोर्डवार विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सहसम्बन्ध

s	Variables	N	r-value	Correlation	r-table value		Significance level
बी.एस.ई.यू.बोर्ड	आत्मविश्वास	480	0.267	धनात्मक	0.01	0.115	0.01
	शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.088	
सी.बी.एस.ई.बोर्ड	आत्मविश्वास	480	0.289	धनात्मक	0.01	0.115	0.01
	शैक्षिकउपलब्धि			सहसम्बन्ध	0.05	0.088	

तालिका 4 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् बी.एस.ई.यू.बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.267 प्राप्त हुआ है। दोनों चरों के मध्य सहसम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0.01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है ।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 6 – 'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् बी.एस.ई.यू.बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सहसम्बन्ध नहीं पाया जाता है।' अस्वीकृत होती है अर्थात् उत्तराखण्ड बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

तालिका 4 से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि का सहसम्बन्ध गुणांक 0.289 प्राप्त हुआ है । दोनों चरों के मध्य सहसम्बन्ध की सार्थकता की जाँच करने पर पाया गया कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि के मध्य 0. 01 स्तर पर सार्थक सहसम्बन्ध है ।

प्रस्तुत विश्लेषण के आधार पर परिकल्पना 6– 'उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक सहसम्बन्ध नहीं पाया जाता है।' अस्वीकृत होती है अर्थात् सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

निष्कर्ष

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् छात्र तथा छात्राओं के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।

उच्च माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् बी.एस.ई.यू.बोर्ड व सी.बी.एस.ई. बोर्ड के विद्यार्थियों के आत्मविश्वास व शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है ।

शैक्षिक निहितार्थ

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य विद्यार्थियों के आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सम्बन्ध को विकसित करना है। अनुसंधान कार्य के परिणाम भावी नीति निर्धारण की आधारशिला बनते है। व्यक्ति विगत अनुभवों से सीखता है तथा उसके अनुरूप कार्य करता है।अतीत के अनुभव व्यक्ति के वर्तमान और भावी समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त करते हैं एवं नीति निर्धारण का निर्णय लेने में सहायक बनते हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन अध्यापकों का ध्यान इस ओर इंगित करता है कि वे विद्यार्थियों की व्यक्तिगत व शैक्षिक समस्याओं को समझ कर उन्हें दूर करने का यथा संभव प्रयास कर अभिप्रेरित करें व विद्यार्थियों में निम्न आत्मविश्वास,एवं निम्न शैक्षिक उपलब्धि के कारणों को जानकर उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए। प्रस्तुत शोध अध्ययन विद्यार्थियों के लिए भी उपादेयता रखता है । विभिन्न आत्मविश्वास वाले विद्यार्थी मेहनत करके अच्छी शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थी समय समय पर विद्यालय में आयोजित पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेकर सहभागिता एवं उत्तरदायित्व के गुणों को विकसित कर सकते हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन अभिभावकों के लिए विशेष रुप से उपयोगी है। अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने पाल्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करें एवं उनमें स्वस्थ प्रतियोगिता व आत्मविश्वास को विकसित करें जिससे उन में तनाव प्रबंधन की क्षमता विकसित हो और सफलता प्राप्ति के निर्धारक तत्व आत्मविश्वास एवं शैक्षिक उपलब्धि का विकास हो सके ।

शोध का परिसीमन

- यह अध्ययन केवल उत्तराखण्ड राज्य के गढ़वाल मण्डल के चार जिलों में स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित किया गया है।
- इस अध्ययन में कक्षा 12 के बालक व बालिकाओं को न्यादर्श में शामिल किया गया है।
- इस अध्ययन में केवल 'सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकन्ड्रि एजुकेश्न (सी.बी.एस.ई.) तथा 'बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेश्न उत्तराखण्ड (बी.एस.ई.यू.)' को ही शामिल किया गया है।

सन्दर्भ

1. अग्निहोत्री, आर. (1987), अग्निहोत्री, आर. (1987), 'मैनुअल फॉर अग्निहोत्री सेल्फ कॉन्फिडन्स इन्वेंन्टरी' आगरा नैशनल साइकलॉजिकल कॉरपोरेशन
2. भूषण, एस.'योग निद्रा एज इन्टरवेनर टु प्रमोट सेल्फ कॉनफिडन्स अंमग टीनेजर्स' इन्डियन जनरल ऑफ साइकोमेटरी एन्ड एजुकेश्ने,(2006) 37(1): 11–16, उद्धृत द कोस्ट ऑफ गुड फॉचून वेन पॉजटिव लाइफ इवेंटस प्रडयूस नेगटिव् हेल्थ कॉन्सिक्वन्सेज, जनरल ऑफ पस'नैलटि एन्ड सोशल साइ'कॉलजि 57, 103.110।
3. भूषण, एस..'योग निद्रा एज इन्टरवेनर टु प्रमोट सेल्फ कॉनफिडन्स अंमग टीनेजर्स' इन्डियन जनरल ऑफ साइकोमेटरी एन्ड एजुकेश्ने,(2006) 37(1): 11–16, उद्धृत मैन्युअल फॉर अग्निहोत्रीज सेल्फ कान्फिडनस इन्वेंटरी आगराः नेशनल साइक'लॉजिकल कॉपरेशन।
4. अग्निहोत्री, आर. (1987), अग्निहोत्री, आर. (1987), 'मैनुअल फॉर अग्निहोत्री सेल्फ कॉन्फिडन्स इन्वेंन्टरी' आगरा नैशनल साइकलॉजिकल कॉरपोरेशन
5. बसवाना, एम. (1971), 'ए स्टडि ऑफ सेल्फ कॉन्फिडन्स एज़ एन एट्रिव्यूट ऑफ सेल्फ कॉन्सेप्ट' पीएचडी साइकलॉजि, एस. वी. यूनिवर्सिटी 1971, थर्ड सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेश्न्, 1978–83, वॉल्यूम पृष्ठ 328 (416)।
6. फर्नान्डस, एल. (1984),' ए स्टडि ऑफ द इफैक्ट ऑफ गाइडन्स एन्ड काडन्सलिंग ऑन द एक'डेमिक एचीवमेंट ऑफ अन्डरएचीविंग प्रिडॉलसेन्ट एन्ड एड'लेस्न्स गर्ल्स' पीएच.डी. एजुकेश्न् मैसूर युनिवर्सिटी, 1984 फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेश्न्, 1983–88 वॉल्यूम. पृष्ठ 531 (591)।
7. सक्सेना वन्दना (1988) 'इम्पैक्ट ऑफ फैमिली रिलेशनशिप ऑन सेल्फ कन्फिडन्स एण्ड एकडेमिक अचीवमेंट ऑफ हाई स्कूल स्टयूडेन्टस 'एम.बी. बुच, फिफ्थ सर्वे ऑफ एजूकेशनल रिसर्च एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, वाल्यूम 2, पृ. 1914 ।
8. भूषण, सिद्वार्थ (2006),'योग निद्रा एज़ इन्टरवेनर सेल्फ कॉन्फ़िडन्स अमंग टीनेजर्स' इन्डियन जरनल ऑफ साइकोमेट्री एन्ड एजुकेश्न्, 2006, 37 (1): 11–16 आई.एस.एस.एन. 0378–1003।
9. कौर, टी. एवं मेहता, एम. (2007),'कम्पैरटिव स्टडि ऑफ द लैवल ऑफ एचीवमेंट मोटि'वेशन, सेल्फ कॉन्फिडन्स एन्ड अ'सर्टिवनैस अमंग एड'लेसन्स गर्ल्स' इन्डियन जनरल ऑफ साईकोमेट्री एन्ड एजुकेश्न्, 2007, 38 (2) 166–169, आई.एस. एस.एन.:0378–1003।
10. धल, शिखा एवं ठुकराल, प्रवीन (2009), (2009), 'इन्'टेलिजन्स एज़ रिलेटेड टु सेल्फ कॉनफिडन्स एन्ड एक'डेमिक एचीवमेंट ऑफ स्कूल स्टूडेंट्स' जनरल ऑफ आल इन्डिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशन्ल् रिसर्च, वाल. 21, नं. 2 दिसम्बर 2009, पृष्ठ 81–83 ।
11. देवगन, पी (2010), 'माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में आत्मनियंत्रण एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन' भारतीय आधुनिक शिक्षा, जुलाई 2010 31(1) 97–105 एन.सी.ई.आर.टी.आई.एस.एस.एन. 0972–5636,